शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय

राजनांदगांव(छ.ग.)

विभागीय प्रतिवेदन

2018—2019

संस्कृत विभाग

विभागाध्यक्ष

डॉ.दिव्या देशपांडे

प्राचार्य

डॉ.आर.एन.सिंह

संस्कृत विभाग

वर्ष 2018–19

विभाग का परिचयः–

- स्थापना वर्ष – स्नातक– 1957

  स्नातकोत्तर– 2003
- स्वीकृत पद – प्राध्यापक– 01

  सहा. प्राध्यापक– 02
- संचालित पाठ्यक्रम–स्नातक एवं स्नातकोत्तर
- विभिन्न कक्षाओं में छात्र संख्या (सत्र 2017–18)
  - स्नातक प्रथम वर्ष– 18
  - स्नातक द्वितीय वर्ष– 03
  - स्नातक अंतिम वर्ष– 11
  - स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष– 15
  - स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष– 15

विभाग में कार्यरत प्राध्यापक:–

- सहायक प्राध्यापक – 02
  - (1) डॉ. दिव्या देशपाण्डे
  - (2) डॉ. ललित प्रधान आर्य
- अतिथि व्याख्याता – 01
  - (1) डॉ. महेन्द्र नगपुरे

स्नातक एवं स्नातकोत्तर परिषद् (2018–19)

1) अध्यक्ष – कु. चेसवनी (स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष)

2) उपाध्यक्ष – कु. शैलेष (स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष)

3) सचिव – श्री परसोत्तम (स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष)

4) सहसचिव – कु. आभा वर्मा (स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष)

कार्यकारी सदस्य – स्नातकोत्तर स्तर संस्कृत एवं स्नातक स्तर संस्कृत के सभी विद्यार्थी

संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम

दिनांक 23.08.2018 – 30.08.2018

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 23.08.2018 से 30.08.2018 तक संस्कृत – सप्ताह का आयोजन किया गया। दिनांक 23.08.2018 को संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन शोभा यात्रा के साथ हुआ। विभाग के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर का भ्रमण कर परिसर के मंदिरों में देवपूजन, स्तोत्रपाठ तथा वैदिकमन्त्र पाठ किया। दिनांक 24.08.2018 को संस्कृत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एम. ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्र श्री संजय कुमार ने प्राप्त किया। दिनांक 25.08.2018 को रक्षासूत्र बंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिन विभाग के विद्यार्थियों ने परस्पर श्लोकोच्चार करते हुए एक – दूसरे को रक्षासूत्र बांधे। दिनांक 27.08.2018 संस्कृत श्लोक पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में विभाग के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने श्लोको का लयबद्ध पाठ किया। इस श्लोक पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एम. ए. प्रथम सेमेस्टर के श्री विकास दुबे ने प्राप्त किया। दिनांक 29.08.2018 को संस्कृत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 'संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्' विषय पर निबंध लिखे गये। इस प्रतियोगिता में एम. ए. प्रथम सेमेस्टर की कु. किरण सिन्हा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का समापन दिनांक 30.08.2018 को किया गया। समापन कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह जी की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती पूजन एवं स्वस्ति वाचन से हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपाण्डे ने संस्कृत सप्ताह मनाने का उद्देश्य बताते हुये सप्ताह भर के कार्यक्रमों से संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. आर. एन. सिंह जी ने संस्कृत भाषा के महत्व, भविष्य में संस्कृत की उन्नति हेतु किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। अन्त में आभार प्रदर्शन अतिथि व्याख्याता डॉ. महेन्द्र नगपुरे ने

किया। संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत होने वाली प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरित किये गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ललित प्रधान आर्य ने किया।

संस्कृत सम्भाषण शिविर

दिनांक 04.09.2018 से 22.09.2018

दिनांक 04.09.2018 से 22.09.2018 तक संस्कृत विभाग में संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 04.09.2018 को प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उद्घाटन के अवसर पर सम्भाषण प्रशिक्षक, श्री राकेश वर्मा, श्री संदीप पटेल, हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शंकरमुनि राय, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपाण्डेय, सहायक प्राध्यापक डॉ. ललित प्रधान आर्य तथा अतिथि व्याख्याता डॉ. महेन्द्र नगपुरे उपस्थित थे।

उद्घाटन के पश्चात् निरंतर 15 दिवस संस्कृत सम्भाषण का प्रशिक्षण प्रतिदिन दोपहर 02 बजे से शाम 5.30 बजे तक दिया गया, जिससे न केवल विद्यार्थियों के भाषा कौशल का वर्धन हुआ अपितु उनके संस्कृत शब्द भंडार, आत्मविश्वास, उच्चारण क्षमता का भी विकास हुआ।

दिनांक 04.10.2018 को इस सम्भाषण शिविर का समापन समारोह विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपाण्डे के मार्गदर्शन में तथा प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी की गरिमामय उपस्थिति में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा दूरवाणी सम्भाषण, परस्पर वार्तालाप, अनुभव कथन, संस्कृत गीत गायन आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। संस्कृत सम्भाषण शिविर से लगभग 40 विद्यार्थी लाभान्वित

हुये। इस शिविर में सहभागी हुये विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

संस्कृत साहित्य परिषद् का उद्‌घाटन

दिनांक 04.10.2018

दिनांक 04.10.2018 को प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी की गरिमामय उपस्थिति में संस्कृत साहित्य परिषद् का उद्‌घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्राचार्य जी के मार्गदर्शन में प्रावीण्यता के आधार पर संस्कृत साहित्य परिषद् का गठन निम्नानुसार हुआः—

1) अध्यक्ष – कु. चेसवनी (स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष)

2) उपाध्यक्ष – कु. शैलेष (स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष)

3) सचिव – श्री परसोत्तम (स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष)

4) सहसचिव – कु. आभा वर्मा (स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष)

कार्यकारी सदस्य – स्नातकोत्तर स्तर संस्कृत एवं स्नातक स्तर संस्कृत के सभी विद्यार्थी

वाल्मिकी जयन्ती एवं कर्मकाण्ड तथा संस्कार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्‌घाटन

दिनांक 24.10.2018

दिनांक 24.10.2018 को संस्कृत विभाग में वाल्मिकी जयंती एवं कर्मकाण्ड तथा संस्कार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्‌घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शंकरमुनि राय जी ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक

मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। डॉ. शंकरमुनि राय ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व की समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है। अतः भाषाओं के शुद्धोच्चारण एवं ज्ञान की दृष्टि से संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। उन्होनें कहा कि आज इस अवसर पर यह संकल्प ले कि संस्कृत के प्रचार–प्रसार हेतु सतत् प्रयत्नशील रहेगें। डॉ. शंकरमुनि राय जी ने कहा कि संस्कृत की व्यवहारिक एवं व्यवसायिक उपयोगिता बढ़ाने का प्रयत्न किया जाना चाहिए। डॉ. राय ने कर्मकाण्ड प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की महत्ता से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री ललित प्रधान आर्य ने संस्कृत भाषा में किया। संपूर्ण कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

संस्कृत साहित्य में विज्ञान विषय पर प्रदर्शनी आयोजित

दिनांक 31.10.2018 एवं 01.11.2018

दिनांक 31.10.2018 एवं 01.11.2018 को विज्ञान विषय के विद्यार्थियों का संस्कृत साहित्य में निहित वैज्ञानिक तथ्यों से परिचय कराने की दृष्टि से विज्ञान क्लब एवं संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत साहित्य में विज्ञान विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग में उपलब्ध विज्ञान से संबंधित पोस्टरर्स की प्रदर्शनी लगायी गई। विभाग के प्राध्यापको एवं विद्यार्थियों ने विज्ञान विषय के विद्यार्थियों को उन पोस्टरर्स में उल्लेखित वैज्ञानिक तथ्यों, संस्कृत ग्रंथो (जिनमें विभिन्न वैज्ञानिक तथ्यों का उल्लेख है) एवं संस्कृत तथा विज्ञान के अंतः संबंधो पर मार्गदर्शित किया।

विस्तार कार्यक्रम

दिनांक 16.11.2018

संस्कृत विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत भगवान महावीर समता वृद्धाश्रम, पार्रीनाला राजनांदगांव जाकर वृद्धजनों को मिष्ठान्न, फल एवं 'वदतु संस्कृतम्' पुस्तके वितरित की गयी। वृद्धजनो को विद्यार्थियों ने गीता के श्लोक, संस्कृत गीत एवं संस्कृत नीतिश्लोको का लयबद्ध पाठ कर उनके अर्थ से अवगत कराया। वृद्धजनो ने विद्यार्थियों से अपने जीवन के अनुभवों को साझा किया। सभी ने इस कार्यक्रम में आनंदपूर्वक भाग लेकर इसे उपयोगी बताया। यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपाण्डे एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. ललित प्रधान आर्य के कुशल नेतृत्व मे संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

दिनांक 21.01.2019 तथा 22.01.2019

इस वर्ष महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 21 तथा 22 जनवरी 2019 को 'संस्कृतवांग्मये ज्ञानविज्ञानचर्चा' विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में प्रसिद्ध नासा वैज्ञानिक एवं प्रधानमंत्री जी के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. ओमप्रकाश पाण्डे मुख्य वक्ता, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के पूर्व कला संकाय अधिष्ठाता एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. रहस बिहारी द्विवेदी अध्यक्ष तथा डॉ. सुमन सिंह बघेल विशिष्ट अतिथि थे। स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह द्वारा दिया गया। संगोष्ठी का प्रास्ताविक डॉ. दिव्या देशपाण्डे द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा मंच संचालन डॉ. ललित प्रधान आर्य ने किया। नासा वैज्ञानिक डॉ. ओमप्रकाश पाण्डे जी ने कहा कि हमारे देश का नाम

भारत वेदमूलक है तथा संस्कृत साहित्य में विज्ञान के बीज विद्यमान है।

प्रथम विचार सत्र में प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी जी ने 'संस्कृत में मानसिक पर्यावरण' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। द्वितीय तकनीकि सत्र में सत्राध्यक्ष डॉ. सत्येन्दु शर्मा थे तथा विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. अमोल देशपाण्डे ने 'प्राचीन भारतीय चिकित्साशास्त्र' पर अपने विचार रखे। इस सत्र का मंच संचालन डॉ. राघवेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया। दिनांक 22.01.2019 को तृतीय तकनीकि सत्र की अध्यक्षता डॉ. पूर्णिमा केलकर ने की। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. नौनिहाल गौतम ने भारतीय करनीति की प्रासंगिकता विषय पर विचार व्यक्त किये। सत्र का संचालन डॉ. हेमन्त शर्मा ने किया। संगोष्ठी में कुल 21 शोध पत्रों का वाचन किया गया।

समापन सत्र में अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) के पूर्व कुलपति डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, सारस्वत अतिथि डॉ. महेश चंद्र शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. नौनिहाल गौतम एवं डॉ. अमोल देशपाण्डे थे। डॉ राधावल्लभ त्रिपाठी ने 'संस्कृत विद्या परम्परा' पर सविस्तार प्रकाश डाला। डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने संस्कृत में राजनीतिशास्त्र विषय पर विचार व्यक्त किये। संयोजिका डॉ. दिव्या देशपाण्डे ने आभार प्रदर्शन किया। समापन सत्र का संचालन डॉ. ललित प्रधान आर्य द्वारा किया गया।

बसंत पंचमी

दिनांक 13.02.2019

दिनांक 13.02.2019 को संस्कृत विभाग में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. चंद्रिका नाथवानी जी तथा डॉ. शंकरमुनि राय भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कर्मकाण्ड तथा संस्कार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों द्वारा संस्कृत मंत्रोच्चारण के माध्यम से विधिवत सरस्वती पूजन एवं हवन कार्य संपादित किया गया।

विशेष व्याख्यान

दिनांक 19.02.2019

दिनांक 19.02.2019को संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर में पदस्थ संस्कृत के सहायक प्राध्यापक डॉ. सत्येन्दु शर्मा जी ने 'भारतीय दर्शने पातंजलयोगसूत्रम्' विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया। सर्वप्रथम डॉ. शर्मा ने 'भारतीय दर्शन के विषय में जानकारी देकर तत्पश्चात् योगदर्शन एवं पातंजल योगसूत्र ग्रंथ पर सविस्तार प्रकाश डाला। उनका सारगर्भित व्याख्यान छात्रोपयोगी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे ने किया। संपूर्ण कार्यक्रम संस्कृत भाषा में ही संपन्न हुआ।

विशेष व्याख्यान

दिनांक 20.02.2019

दिनांक 20.02.2019 को संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर में पदस्थ संस्कृत साहित्य के सहायक प्राध्यापक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा जी ने 'रसगंगाधर' विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया। सर्वप्रथम डॉ. राघवेन्द्र शर्मा जी ने पंडितराज जगन्नाथ के विषय में जानकारी देते हुये उनके ग्रंथ रसगंगाधर का परिचय दिया। तत्पश्चात् ग्रंथ के पाठ्यक्रम में उल्लेखित अलंकारो पर सविस्तार प्रकाश डाला। उनका सारगर्भित व्याख्यान छात्रोपयोगी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे ने किया। संपूर्ण कार्यक्रम संस्कृत भाषा में ही संपन्न हुआ।

पालक सम्मेलन एवं भूतपूर्व छात्र सम्मेलन

दिनांक 04.04.2019

दिनांक 04.04.2019 को संस्कृत विभाग में विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापको की उपस्थिति में पालक सम्मेलन तथा भूतपूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्नात्कोत्तर पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध के छात्र–छात्राओं के पालक विशेष रूप से उपस्थित रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपाण्डे ने सम्मेलन में उपस्थित सभी पालकों से उनके पाल्यों की शैक्षणिक प्रगति, विभाग में अध्ययन का स्तर, महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध सुविधाओं, उनके पाल्यों की विभिन्न समस्याओं आदि विषयों पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। पालकों द्वारा विभाग में अध्ययन एवं अन्य गतिविधियों के संबंध में संतुष्टि प्रकट की गई है तथा महाविद्यालय एवं विभाग की उन्नति हेतु

अपने बहुमूल्य सुझाव भी प्रदान किये गये। पालकों द्वारा फीडबैक प्रपत्र भरकर फीडबैक प्रदान किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित भूतपूर्व छात्रो द्वारा भी महाविद्यालय एवं विभाग की उत्तरोत्तर प्रगति पर संतुष्टि व्यक्त की गयी उन्होने अपने बहुमूल्य सुझाव दी प्रदान किये। पालकों एवं भूतपूर्व छात्रो द्वारा फीडबैक प्रपत्र भरकर फीडबैक प्रदान किया गया।

अन्य गतिविधियाँ

- स्वच्छता कार्य :– संस्कृत विभाग में प्रत्येक सोमवार को विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों द्वारा विभाग एवं विभाग के सामने के परिसर की स्वच्छता का कार्य संपादित किया जाता है।

- आधुनिक संचार साधनों का प्रयोग करते हुए अध्यापनः– संस्कृत विभाग में अध्यापन हेतु आधुनिक संचार साधनों का भी प्रयोग किया जाता है। विद्यार्थियों को कक्षा में अध्ययनोपयोगी एन्ड्राईड मोबाईल एप्स की जानकारी दी गई। इंटरनेट के माध्यम से संस्कृत वार्तावली इत्यादि कार्यक्रमों, संस्कृत लघु फिल्मों का प्रदर्शन विद्यार्थियों के समक्ष समय–समय पर किया गया।
  यू–ट्यूब पर उपलब्ध नेट (छम्ज) तथा सेट () से संबंधित प्रामाणिक व्याख्यान विडियो की भी जानकारी विद्यार्थियों को दी गई।

संस्कृतसप्ताह उद्घाटन एवं शोभायात्रा

संस्कृतसप्ताह में रक्षासूत्र बंधन कार्यक्रम

संस्कृतसप्ताह समापन समारोह

संस्कृत सप्ताह पुरस्कार वितरण

शिक्षक दिवस 2018-19

संस्कृत संभाषण कार्यशाला का उद्घाटन

संस्कृत सप्ताह समापन समारोह

महर्षि वाल्मीकि जयंती एवं कर्मकांड एवं संस्कार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्घाटन

विस्तार गतिविधि वृद्धाश्रम भ्रमण

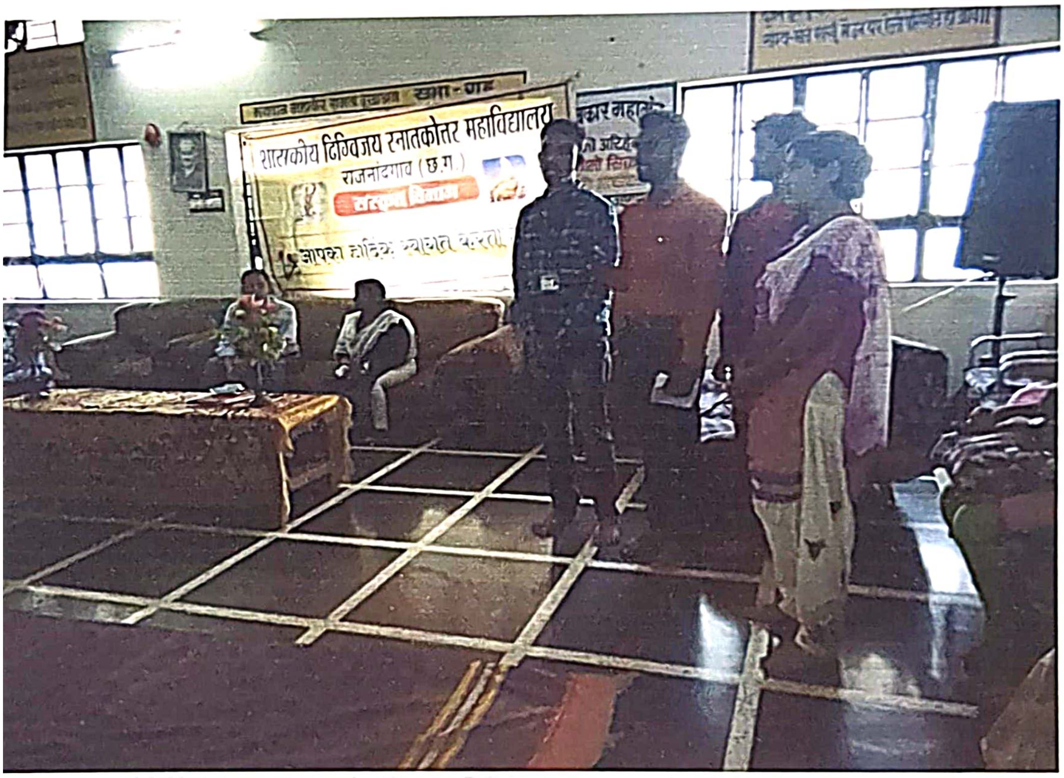

वृद्धाश्रम में संस्कृत गीत तथा गीता श्लोक पाठ

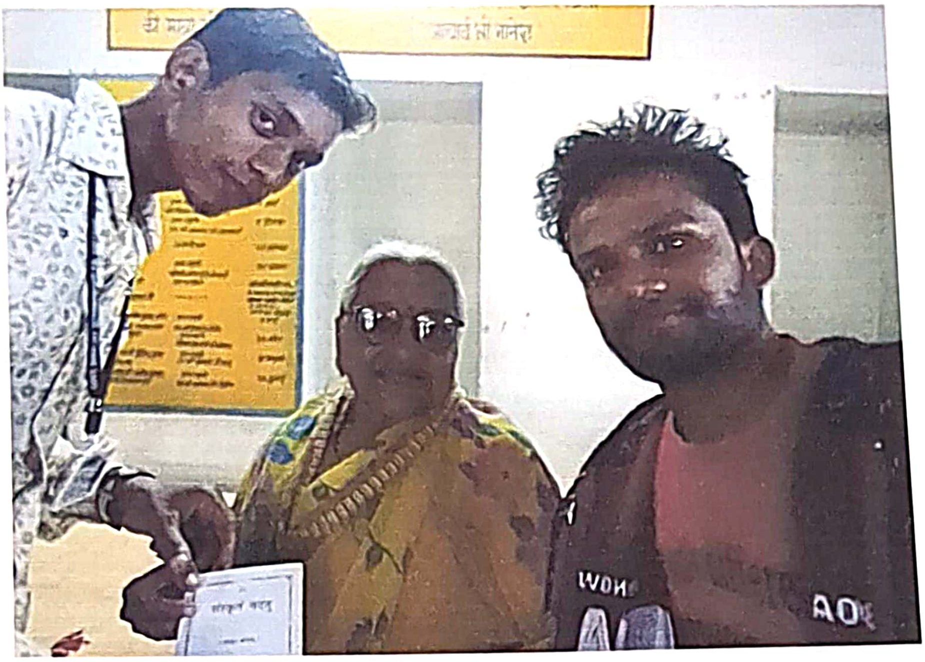

वृद्धाश्रम में संस्कृतं वदतु पुस्तक का वितरण

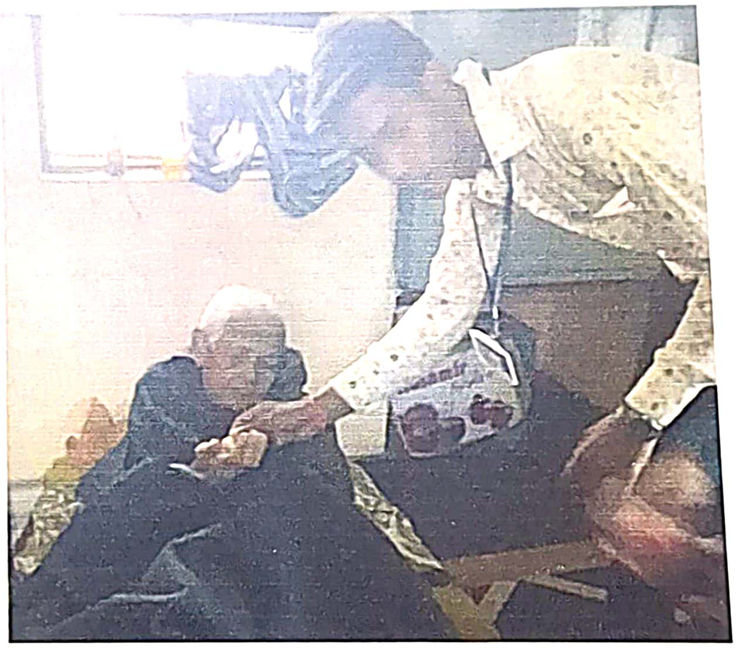

वृद्धाश्रम में मिष्टान्न एवं फल वितरण

वृद्धजनों से परस्पर संवाद

वसन्तपंचमी कार्यक्रम

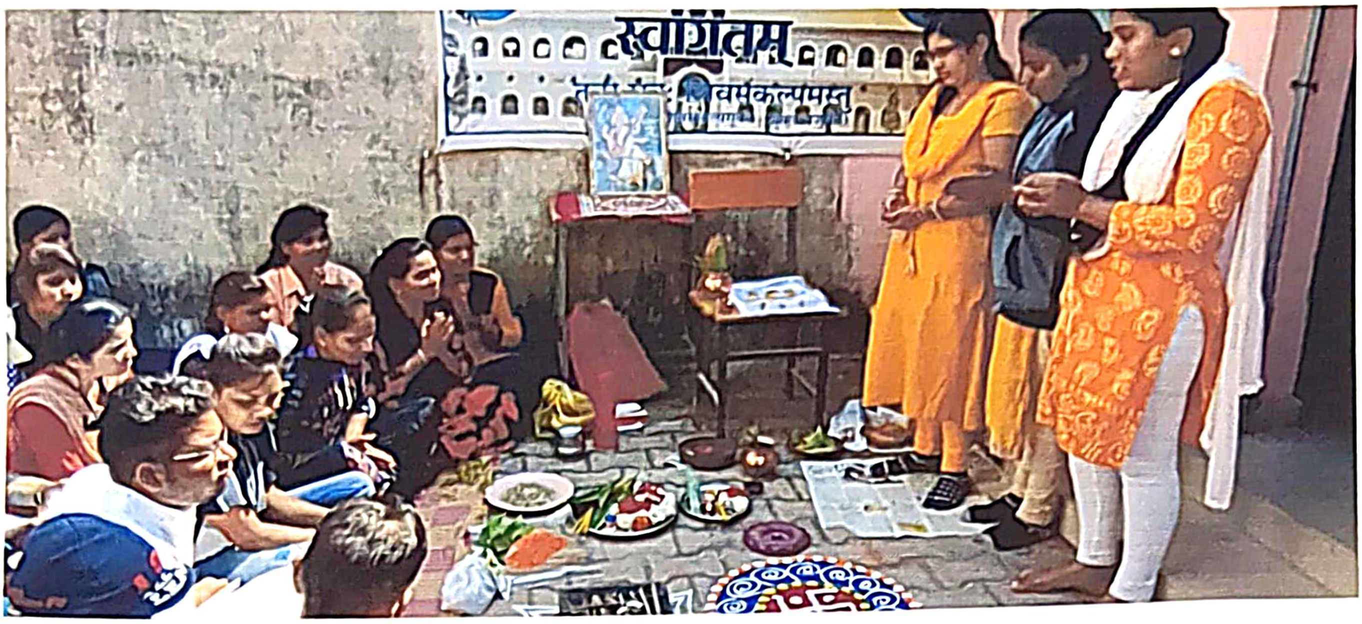

छात्राओं द्वारा पूजन

कर्मकांड एवं संस्कार प्रशिक्षणपाठ्यक्रम के विद्यार्थियों द्वारा पूजन एवं हवन सम्पन्न

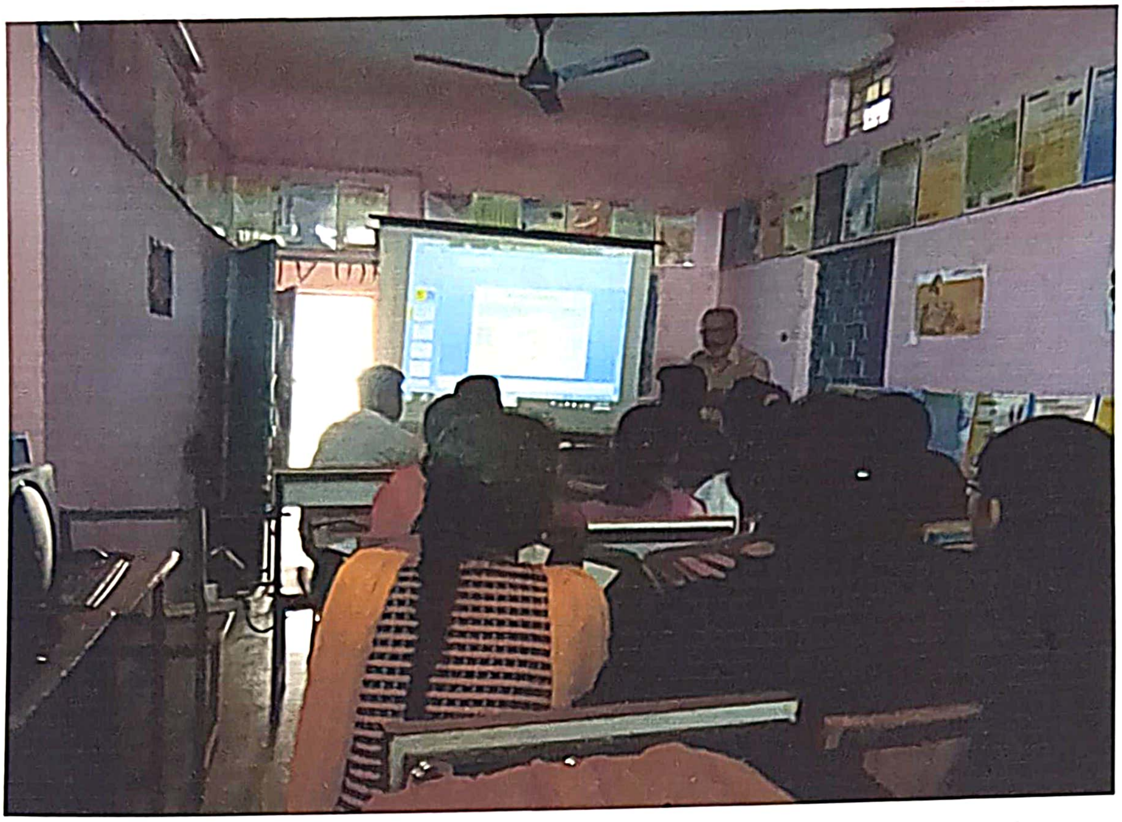

विशेष व्याख्यान –डॉ. सत्येन्दु शर्मा

विशेष व्याख्यान –डॉ. राघवेंद्र शर्मा

स्वच्छता कार्य

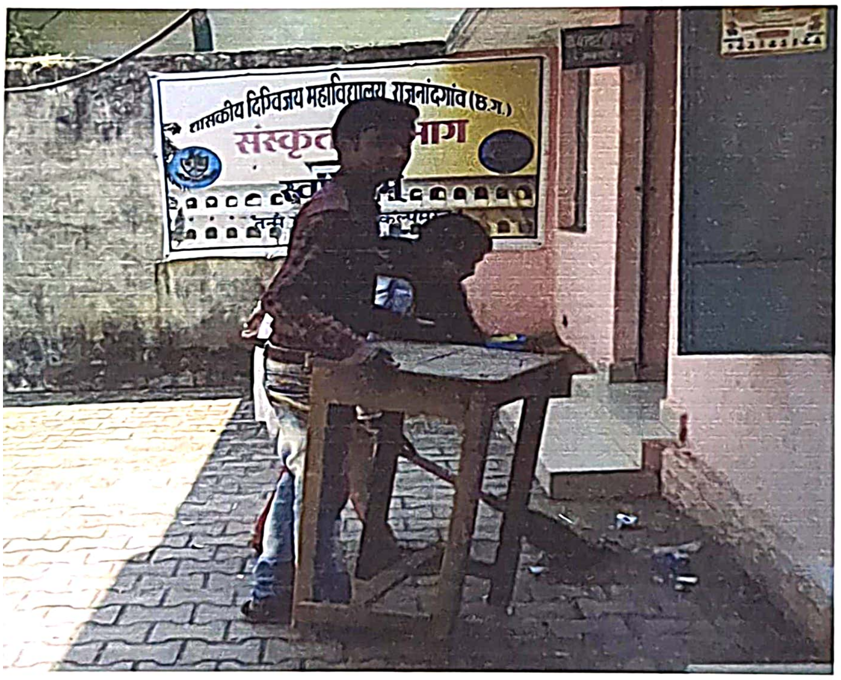

स्वच्छता कार्य

विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी – 21-22 जनवरी 2019